

खाद और ऑर्गेनिक खाद का उपयोग करने से ये मुश्किलें हल हो सकती हैं, तो क्या सरकार इसके लिए कोई योजना बनाना चाहती है?

**श्री प्रकाश जावडेकर:** सर, CPCB ने 2017 में जो ground water quality monitoring की है, उसके अनुसार the pesticide level has been observed to be either below detection limits or not detected at most of the ground water monitoring locations. लेकिन यह सच है कि pesticides का impact होता है and non-compliance has been observed in other heavy metals and other things. इसलिए अपने देश में हम ऑर्गेनिक खाद का ज्यादा उपयोग करें, यह movement अच्छा बल प्राप्त कर रहा है। मुझे लगता है कि we are on the right track.

**SHRIMATI AMBIKA SONI:** Sir, this is an important question, especially, for the State I come from, *i.e.*, Punjab. Water has reached such polluted levels that people are suffering from maximum number of diseases.

Now, the Minister in his reply has given various components of polluted water. I am sure they have done it. But, there is one answer which he has given, which is that they are digging water quality wells to monitor water in different districts. They have said that in Punjab, they have dug 312 wells. I want to know from the Minister one thing. When were these wells dug? Has any recce been done to ensure that all of them are working? And if they are not working, what is the plan to dig more wells to check water levels as it exists today?

**SHRI PRAKASH JAVADEKAR:** Ambikaji has asked specific details which we will definitely send to her.

**MR. CHAIRMAN:** Question No. 153. Shri P.L. Punia is not there.

### **Soldiers martyred during terrorist attacks**

\*153. **SHRI P.L. PUNIA:** Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

- (a) the details of Indian soldiers martyred on the India-Pakistan border in frequent terrorist attacks during the last three years;
- (b) the action taken by Government in this regard; and
- (c) the time by which the terrorists would be flushed out?

**THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI RAJNATH SINGH):** (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

**Statement**

(a) The details of Indian Army soldiers martyred on the India Pakistan border (LOC) due to terrorist attacks during last three years are as under:

Sl. No.	Year	Fatal Casualties suffered by Army Personnel during terrorist attacks/tactical action
1.	2016	06
2.	2017	13
3.	2018	12

(b) and (c) All the forward posts are adequately strengthened to withstand terrorist attacks. Continuous improvements, including the usage of modern technology, in the defences are made to make them more robust and resilient. The Army also carries out indepth analysis of the terrorist incidents and security breaches that are identified with various incidents.

MR. CHAIRMAN: Now, Mr. Majeed Menon, sorry Mr. Majeed Memon. Memon is *Mehmaan* for us.

SHRI MAJEED MEMON: I am being called as Menon. So, I go to Kerala.

MR. CHAIRMAN: Kerala is a part of India only.

SHRI MAJEED MEMON: Will the hon. Minister inform the House about the progress and result in the investigation by NIA in a major terror attack in Pulwama in which over forty soldiers were killed? Was it a case of security failure?

**श्री राजनाथ सिंह:** सभापति महोदय, वैसे इसमें एनआईए की जांच चल रही है और एनआईए की जांच अभी पूरी नहीं हो सकी है। चूंकि यह विषय गृह मंत्रालय से संबंधित है, इसलिए गृह मंत्रालय ही इसका सही उत्तर नहीं दे सकता है, लेकिन मेरी जानकारी के अनुसार, शायद वह जांच अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। जांच पूरी होने के बाद ही गृह मंत्री जी सदन में आकर इसकी जानकारी दे सकते हैं।

**श्री संजय राउत:** चेयरमैन सर, सरकार ने अपने उत्तर में गत तीन वर्षों के दौरान आतंकवादी हमलों के कारण भारत-पाकिस्तान सीमा पर शहीद हुए भारतीय सेना के सैनिकों का जो ब्योरा दिया है, उसमें कहा है कि 2016 में 6, 2017 में 13 और 2018 में 12 जवान शहीद हुए हैं। लेकिन जो अधिकृत आंकड़े हैं, पहले उनमें कहा गया था कि 2014 से लेकर 2018 तक, जम्मू और कश्मीर में 176%

terrorist incidents बढ़े हैं। मैं सरकार से पूछना चाहता हूँ कि आपके उत्तर में शहीद सैनिकों का यह जो 6, 13 और 12 का आंकड़ा दिया गया है, ये सिर्फ हमारे आर्मी के ही जवान हैं या फिर इनमें बीएसएफ, सीआरपीएफ तथा जम्मू-कश्मीर भी पुलिस के जवाकी भी शामिल हैं, क्योंकि इन आंकड़ों में और दूसरे आंकड़ों में मेल नहीं है।

**श्री राजनाथ सिंह:** सभापति महोदय, मैं यह बताना चाहूंगा, जो आंकड़े इसमें दिए गए हैं, वे सारे आंकड़े Army की casualties के ही दिए गए हैं। मैं इस बात की जानकारी भी देना चाहता हूँ कि वहां केवल इतनी ही casualties नहीं हुई हैं। Operations कई प्रकार के होते हैं। एक Operation होता है, Infiltration Bids Eliminated, दूसरा होता है, Counter Terrorism Operation, तीसरा होता है, Terrorist initiated incidents और चौथा होता है, Tactical Action. उत्तर में जो जानकारी दी गई है, वह केवल Tactical Action के बारे में जानकारी दी गई है।

सभापति महोदय, मैं वहां की स्थिति के बारे में स्पष्ट करना चाहता हूँ कि हमारी Security forces में, Army का, CAPF का, जम्मू-कश्मीर पुलिस का और Intelligence का जितना best coordination हो सकता है, वह इस समय है। वहां के terrorists के ऊपर इन forces ने बराबर अपना दबाव बनाकर रखा हुआ है। मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि आज आतंकवादियों के समक्ष नेतृत्व का और resources का संकट पैदा हो गया है।

**श्री अमर सिंह:** माननीय मंत्री जी ने विस्तार से जानकारी बताई है, लेकिन मैं मात्र इतना ही जानना चाहता हूँ कि पुलवामा के हमले के बाद और surgical strike के बाद, क्या पाकिस्तान में स्थानीय आतंकवादियों के अतिरिक्त स्वयं पाकिस्तान के घुसपैठियों का कोई बड़ा गिरोह अब भी सक्रिय है?

**श्री राजनाथ सिंह:** सभापति महोदय, यह विषय गृह मंत्रालय का है और गृह मंत्रालय ही इसकी जानकारी दे सकता है, लेकिन terror के खिलाफ जो operation हो रहा है, उसके बारे में मैं जानकारी दे सकता हूँ। हां, यदि आप तीन-चार महीने पहले की जानकारी चाहेंगे, वह मैं दे सकता हूँ, लेकिन वह उचित नहीं होगा।

#### **Privatisation of BEML**

\*154. SHRI K.K. RAGESH: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government has deferred the privatisation of Bharat Earth Movers Limited (BEML);

(b) if so, the reason for privatisation of BEML; and

(c) whether Government has decided to handover BEML's management control to any strategic buyer, who will sell the company's land and other assets at market value?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI RAJNATH SINGH): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.